योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई थी। ग्रामोदय मेले में कई स्व-सहायता समूहों ने अपनी प्रदर्शनी लगाई थी। ग्रामोदय मेले में बांस से बने आभूषण महिलाओं के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा।

अनुपमा पांडे सतना से बांस के आभूषण लेकर ग्रामोदय मेले में आई थीं। उनके स्टॉल पर बांस से निर्मित फर्नीचर और सजावटी सामग्री भी उपलब्ध थे, लेकिन सबसे अधिक मांग बांस से बने गले के हार, कान की बाली, झुमके, अंगूठी और कंगन के थे। मेले में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि भोपाल ने पत्रकारिता और संचार जैसे सामयिक विषयों पर केन्द्रित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया था। पुस्तक प्रदर्शनी में मीडिया मैनेजमेंट, मीडिया लॉ एंड एथिक्स, रिर्पोटिंग, कम्युनिकेशन रिसर्च, टेलीविजन प्रोडक्शन, भारतीय जनजातीय समाज, मीडिया क्रांति संबंधित पुस्तकें लोगों को आकर्षित कर रही थीं। युवा उद्यमियों को सपने देखने और उन सपनों को साकार करने के लिए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) बड़े मददगार के रूप में सामने आया है। मेले में एनएसआईसी की योजनाओं से संबंधित जानकारी युवा उद्यमियों को दी गई। समापन के दिन यानी 27 फरवरी को परमपूज्य सरसंघचालक डा. मोहनराव भागवतजी की मौजूदगी में ग्राम विकास को लेकर खुला विचार-विमर्श चला। चित्रकूट अंचल के ग्रामवासियों द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार के मंत्रियों से जहां विकास के अपने अनुभव साझा किए गए, वहीं सरकार के प्रमुख लोगों से सवाल करके विकास के किए जा रहे कामों का ज़्यौरा भी लिया गया। दरअसल, 27 फरवरी को श्रद्धेय नानाजी की पुण्यतिथि भी थी, जिसमें समाज की सहभागिता से भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बारह हजार परिवारों द्वारा सौ कुंटल से अधिक अनाज का अंशदान किया गया था।